भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2986

मंगलवार, 18 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

पीएलआई सहायता

2986. श्री शशांक मणिः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय ने यह सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट रणनीतियां क्रियान्वित की हैं कि उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना 14 प्रमुख क्षेत्रों में अपेक्षित निवेश और उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रभावी रूप से सहायता प्रदान करे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) पीएलआई योजना के तहत विशेष रूप से 'व्हाईट गुड्स' (घरेलू इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं) के लिए कितना वित्तीय आवंटन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क): भारत के 'आत्मनिर्भर' बनने के विजन को ध्यान में रखते हुए, भारत की विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने हेतु 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम की घोषणा की गई है।

ये 14 क्षेत्र हैं: (i) मोबाइल विनिर्माण और विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक घटक, (ii) महत्वपूर्ण प्रारंभिक सामग्री/मध्यवर्ती औषधि और एक्टिव फार्मास्यूटिकल सामग्रियां, (iii) चिकित्सा उपकरणों का विनिर्माण (iv) ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक, (v) फार्मास्यूटिकल्स ड्रग्स, (vi) विशेष इस्पात, (vii) दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, (viii) इलेक्ट्रॉनिक/प्रौद्योगिकी उत्पाद, (ix) व्हाइट गुड्स (एसी और एलईडी), (x) खाद्य उत्पाद, (xi) वस्त्र उत्पाद: एमएमएफ श्रेणी और तकनीकी वस्त्र, (xii) उच्च दक्षता वाले सोलर पीवी मॉड्यूल्स, (xiii) एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी, तथा (xiv) ड्रोन और ड्रोन घटक।

पीएलआई स्कीमों का उद्देश्य प्रमुख क्षेत्रों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में निवेश को आकर्षित करना; दक्षता सुनिश्चित करना और विनिर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने की किफायत करना एवं भारतीय कंपनियों और विनिर्माताओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। ये स्कीमें अगले लगभग पांच वर्षों में उत्पादन, रोजगार और आर्थिक विकास को अत्यधिक बढ़ावा देने की क्षमता रखती हैं।

पीएलआई स्कीम का देश के एमएसएमई ईकोसिस्टम पर क्रमिक प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक क्षेत्र की प्रमुख इकाइयां संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में एक आपूर्तिकर्ता/विक्रेता आधार का संयोजन करती हैं। इन सहायक इकाइयों में से अधिकांश एमएसएमई क्षेत्र में स्थापित की जाती हैं। विभिन्न पीएलआई स्कीमों के तहत अनुमोदित 764 आवेदनों में से, एमएसएमई श्रेणी के अंतर्गत 176 आवेदनों को अनुमोदन प्रदान किया गया है, जो बल्क ड्रग्स, चिकित्सा उपकरण, फार्मा, दूरसंचार, व्हाइट गुड्स, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र और ड्रोन जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं।

(ख): व्हाइट गुड्स के लिए पीएलआई स्कीम को 6,238 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ अनुमोदन प्रदान किया गया है।

******